No. of Printed Pages : 4

MRDE-003

02426

M.A. (RURAL DEVELOPMENT)

Term-End Examination

June, 2017

MRDE-003 : LAND REFORMS AND RURAL DEVELOPMENT

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note : (i) *Attempt* ***all*** *the* ***five*** *questions.*

(ii) ***All*** *questions carry* ***equal*** *marks.*

(iii) *Answers to question no.* **1** *and* **2** *should* ***not*** *exceed* ***800*** *words each.*

1. Describe the concept of land revenue and major systems of land revenue administration in Ancient India. 20

OR

What do you mean by land reforms ? Explain it's salient features in Post-Independent India. 20

2. Discuss the significance of land reforms in economic equality and poverty alleviation. 20

OR

Explain major land tenure systems of medieval India. 20

3. Answer **any two** of the following questions in about **400** words each :

(a) Discuss important features of Pre-British Indian agrarian society. 10

(b) Describe major objectives and activities of Land for Tillers Freedom (LAFTI), Tamil Nadu in the context of land reforms. 10

(c) Explain important features of land revenue collection system in Mughal India. 10

4. Attempt **any four** of the following in about **200** words each :

(a) Role of Panchayati Raj Institutions in development. 5

(b) Pardi Ghasia Satyagrah. 5

(c) Role of Indian National Congress in the land reforms. 5

(d) Differences between social movements and peasant movements. 5

(e) Impact of British Rule in Northern India. 5

(f) Taxation in Mughal India. 5

5. Write short notes on **any five** of the following in about **100** words each :

(a) Political and Social Impact of Peasant Movements 4

(b) Bhu Adhikar Abhiyan (Madhya Pradesh) 4

(c) National Resettlement and Rehabilitation Policy, 2003 4

(d) Computerisation of Land Records 4

(e) Voluntary Land Transfer scheme (VLT) 4

(f) Mahalwari System 4

(g) Need of Land Reforms 4

(h) Land Ceiling 4

एम.ए. (ग्राम विकास)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2017

एम.आर.डी.ई.-003 : भूमि सुधार और ग्राम विकास

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i)* ***सभी पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

(ii) ***सभी*** *प्रश्नों के अंक* ***समान*** *हैं।*

(iii) प्रश्न संख्या 1 और 2 के उत्तर (प्रत्येक) 800 शब्दों से अधिक ***नहीं*** *होने चाहिए।*

---

1. प्राचीन भारत में भू-राजस्व की अवधारणा तथा भू-राजस्व की प्रमुख प्रणालियों का वर्णन कीजिए। **20**

अथवा

भूमि सुधार से आप क्या समझते हैं? भारत में स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद इसकी प्रमुख विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए। **20**

2. आर्थिक समानता और गरीबी उन्मूलन में भूमि सुधार के महत्त्व की व्याख्या कीजिए। **20**

अथवा

मध्यकालीन भारत की प्रमुख भूधृति प्रणालियों की विवेचना कीजिए। **20**

3. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक) लगभग **400** शब्दों में दीजिए :

(a) पूर्व-ब्रिटिश भारतीय कृषिक समाज की महत्त्वपूर्ण विशेषताओं की व्याख्या कीजिए। **10**

(b) भूमि सुधार के सन्दर्भ में, तमिलनाडु में जोतने वाले की जमीन की स्वतंत्रता (LAFTI) के प्रमुख उद्देश्यों और गतिविधियों का वर्णन कीजिए। 10

(c) मुगलकालीन भारत में भू-राजस्व संग्रह प्रणाली की प्रमुख विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए। 10

4. निम्नलिखित में से **किन्हीं चार** के उत्तर (प्रत्येक) लगभग **200** शब्दों में दीजिए :

(a) विकास में पंचायती राज संस्थाओं की भूमिका 5

(b) पारदी घसिया सत्याग्रह 5

(c) भूमि सुधार में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की भूमिका 5

(d) सामाजिक आन्दोलनों और किसान आन्दोलनों में अन्तर 5

(e) पूर्वोत्तर भारत में ब्रिटिश शासन का प्रभाव 5

(f) मुगल भारत में कर व्यवस्था 5

5. निम्नलिखित में से **किन्हीं पाँच** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ (प्रत्येक) लगभग **100** शब्दों में लिखिए :

(a) किसान आन्दोलनों के राजनीतिक एवं सामाजिक प्रभाव 4

(b) भू-अधिकार अभियान (मध्य प्रदेश) 4

(c) राष्ट्रीय पुनर्व्यवस्थापन एवं पुनर्वास नीति, 2003 4

(d) भू-अभिलेखों का कम्प्यूटरीकरण 4

(e) स्वैच्छिक भूमि हस्तांतरण स्कीम (VLT) 4

(f) महालवारी प्रणाली 4

(g) भूमि सुधार की आवश्यकता 4

(h) भूमि की अधिकतम सीमा 4